बुधवार, 4 फरवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

APER

कुल पृष्ठ–08

दीप्ति शर्मा बनी दुनिया की नंबर 1 गेंदबाज

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सनी देओल अक्षय खन्ना के साथ भिड़े

Page-05

म्यूज़िक से डिप्लोमेसी तक:

एक अमेरिकी DJ ने कैसे बदल दिया भारत-US गेम

- **DJ की धुन पर बनी डील! भारत-US समझौते के पीछे की चौंकाने वाली कहानी**
- **सियासत से पहले संगीत: अमेरिकी DJ की एंट्री और ट्रंप का 'यस' मोमेंट**

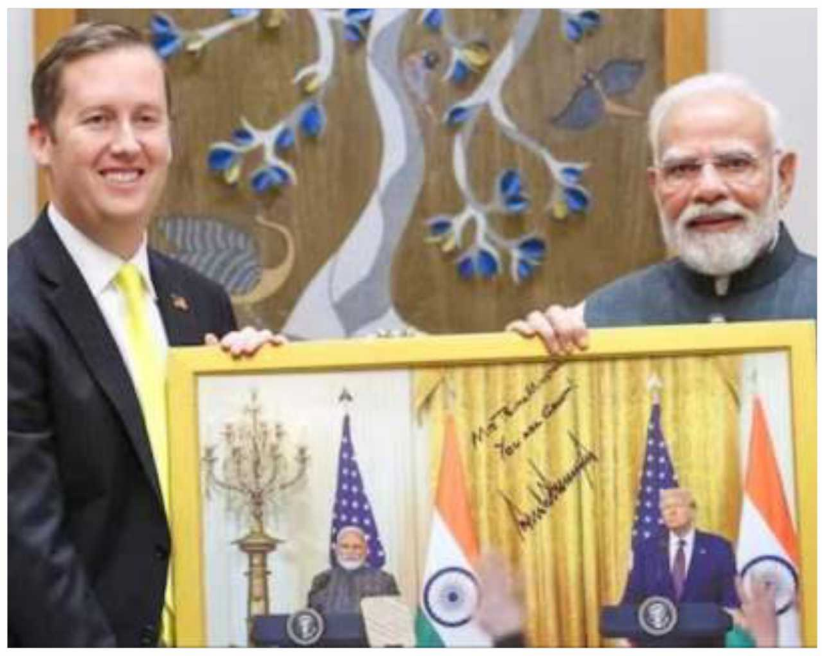

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जनवरी में पद संभालते समय दूतावास के अपने स्टाफ से कहा था, 'सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में अपने झगड़े सुलझा ही लेते हैं.' उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय जब भारत टैरिफ और व्यापार को लेकर ट्रंप के दबाव का सामना कर रहा था. इसके बावजूद गोर शुरुआत से ही भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर सकारात्मक नजर आए. गोर की 'रॉकस्टार' एंट्री के तीन हफ्ते बाद ही सोमवार को ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया और एक व्यापार समझौता भी तय हो गया. इसी के साथ ही सर्जियो गोर और भारत-अमेरिका संबंधों में आई खटास को दूर करने की उनकी कोशिश चर्चा में आ गई है. इसमें यह बात मददगार रही कि गोर की ट्रंप तक सीधी पहुंच हमेशा रही है. ट्रंप ने अमेरिकी दूत को 'बेहद अच्छे दोस्त' और एक ऐसा व्यक्ति बताया है जिस पर वो अपने एजेंडे को पूरा करने के लिए 'पूरी तरह भरोसा' कर सकते हैं. ट्रंप के करीबी होने का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि गोर का निकनेम 'मेयर ऑफ मार-ए-लागो' है.भारत का अगला अमेरिकी राजदूत घोषित किए जाने के बाद से ही गोर ने भारत-अमेरिका के बीच बातचीत की एक साफ लाइन बनाए रखी और रिश्तों को लेकर सकारात्मक रवैया अपनाया. उन्होंने रूसी तेल की खरीद के मुद्दे पर ट्रंप के कुछ सहयोगियों और अधिकारियों की तरह भारत पर कटाक्ष या तीखी टिप्पणियां नहीं कीं. इसके उलट, गोर बार-बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की 'गहरी दोस्ती' का जिक्र करते रहे.

ट्रेड डील पर राहुल का हमला, BJP ने बताया भ्रामक

अमेरिका ने भारत पर लगाए गए टैरिफ में कटौती का अहम फैसला लिया. लंबे समय से चली आ रही व्यापार वार्ता को अमेरिका और भारत ने अंतिम रूप दिया है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है. इस फैसले पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गंभीर सवाल उठाए हैं और सरकार को ट्रेड डील, अडानी और एपस्टीन फाइल्स समेत कई मुद्दों पर घेरा है. राहुल गांधी ने संसद के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए सरकार की ट्रेड डील पर गंभीर सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा, "मोदी जी घबराए हुए हैं. जो ट्रेड डील चार महीने से रुकी थी, कुछ बदला नहीं. वो किसी न किसी कारण दबाव में हैं, जो मैं जानता हूं, नरेंद्र मोदी जानते हैं. मोदी जी ने कल शाम उस डील को साइन कर दिया. उन पर भयंकर प्रेशर है." कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, "नरेंद्र मोदी जी की इमेज का गुब्बारा है, जो हजारों करोड़ रुपए लेकर बनाया गया है, वो फूट सकता है."

युमनाम खेमचंद सिंह: BJP का रणनीतिक दांव

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि खत्म होने से ठीक पहले बीजेपी ने नया सीएम चुन लिया है. विधायक दल की बैठक में युमनाम खेमचंद सिंह के नाम पर मुहर लग गई है. मैतेई समुदाय से ताल्लुक रखने वाले युमनाम खेमचंद सिंह की पहचान ऐसे नेता की है, जिन्हें हर समुदाय का समर्थन हासिल है. वे हर किसी समूह के साथ जाकर काम कर सकते हैं. इसीलिए शायद बीजेपी ने उन पर दांव खेला है. सूत्रों के मुताबिक, इन्हें मणिपुर की राजनीति में पूर्व सीएम एन बीरेन्द्र सिंह का विरोधी माना जाता है और उनके सीएम बनने से राज्य में बीजेपी ये संदेश देना चाहती है कि वह शांति प्रक्रिया के लिए कितनी गंभीर है और सारे समुदायों को साथ में लेकर चलना चाहती है.

अग्निवीरों के लिए बड़ी राहत

रिटायरमेंट के बाद का रोडमैप तैयार

संसद के बजट सत्र (Budget Session) का आधा पांचवां दिन (मंगलवार) भी हंगामे की भेंट चढ़ गया. भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दिन भर बाधित रही. कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस डील में किसानों के हितों से समझौता किया गया है. भारी शोर-शराबे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला (O m Birla) को सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी. नियम के मुताबिक, पहले बैच के करीब 60 हजार युवाओं में से सिर्फ 25 प्रतिशत को ही सेना में परमानेंट रखा जाएगा. बाकी के 46 हजार अग्निवीर सेवा मुक्त कर दिए जाएंगे. इन युवाओं को पेंशन या ग्रेच्युटी तो नहीं मिलेगी, लेकिन केंद्र सरकार इनके करियर की दूसरी पारी शुरू करने के लिए एक बड़ा 'राहत पैकेज' तैयार कर रही है. गृह मंत्रालय की गलियारों से छनकर आ रही खबरों की मानें तो, एक ऐसी नीति पर काम चल रहा है जो इन युवाओं के सैन्य अनुभव को बर्बाद नहीं होने देगी. अंदरुनी सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय ने इसके लिए एक खास कमेटी बनाई है.

योजना यह है कि बीएसएफ (B S F), सीआरपीएफ (CRPF) और सीआईएसएफ (CISF) जैसे अर्धसैनिक बलों में अग्निवीरों के लिए 50 फीसदी तक सीटें आरक्षित की जा सकती हैं. इतना ही नहीं, चूंकि ये युवा पहले से ही कड़े सैन्य प्रशिक्षण से गुजर चुके हैं, इसलिए इन्हें उम्र सीमा में छूट और फिजिकल

विपक्ष के हंगामे से संसद ठप आधा दिन बर्बाद

संसद के बजट सत्र का आधा पांचवां दिन (मंगलवार) भी हंगामे की भेंट चढ़ गया. भारत-अमेरिका व्यापार समझौते (India-US Trade Deal) को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दिन भर बाधित रही. कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस डील में किसानों के हितों से समझौता किया गया है. भारी शोर-शराबे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी. सुबह 11 बजे जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, यह महज 8 मिनट ही चल सकी. विपक्षी सांसद वेल (Well) में आ गए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे. ऐसे में 12 बजे तक के लिए सभा को स्थगित कर दिया गया. दोबारा 12 बजे बैठक शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा जिससे 13 मिनट में ही दोबारा से 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया.

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

भारत आते ही 21 दिन में डील फाइनल,

ट्रंप के खास दूत ने कैसे सुलझाया टैरिफ विवाद?

पिछले 21 दिनों में भारत और अमेरिका के बीच काफी कुछ हुआ। दोनों तरफ से तमाम अधिकारियों और नेताओं के बीच मुलाकातें हुईं। भारत के भी कुछ मंत्री अमेरिका के दौरे पर गए और अमेरिका के भी कई अधिकारी भारत के दौरे पर आए। इसमें जो सबसे अहम किरदार रहा वो ट्रंप के खास दूत सर्जियो गौर का रहा।

तमाम तनातनी के बीच भारत और अमेरिका के बीच आखिरकार महीनों चला ट्रेड वॉर खत्म हो गया है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक ट्रेड डील पर सहमति भी बन गई है। ट्रंप ने टैरिफ कैसे घटाया? क्यों घटाने पर मजबूर हुए? और डील की पूरी कहानी क्या है? तमाम पहलुओं पर बात करने के साथ ही आपको बताते हैं कि ट्रंप के खास दूत ने कैसे भारत में दस्तक देने के महज 21 दिनों के भीतर ही टैरिफ विवाद को सुलझा कर डील डन करवा दिया। जी हां, बात अमेरिका के राजदूत और ट्रंप के करीबी माने जाने वाले सार्जियो गोर की कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले 21 दिन बहुत अहम है। पिछले 21 दिनों में भारत और अमेरिका के बीच काफी कुछ हुआ। दोनों तरफ से तमाम अधिकारियों और नेताओं के बीच मुलाकातें हुईं। भारत के भी कुछ मंत्री अमेरिका के दौरे पर गए और अमेरिका के भी कई अधिकारी भारत के दौरे पर आए। इसमें जो सबसे अहम किरदार रहा वो ट्रंप के खास दूत सर्जियो गौर का रहा। गोर का जन्म नवंबर 1986 में ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में हुआ था, जब वह सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ (USSR) का हिस्सा था। उनका परिवार 1999 में अमेरिका आ गया था। उन्होंने 2020 में पहले मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) कैंपेन के दौरान ट्रम्प के साथ काम करना शुरू किया। 2024 में ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद, उन्हें व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय का निदेशक नियुक्त किया गया। 38 वर्षीय गोर को जनवरी के महीने में ट्रंप ने अमेरिका का सबसे युवा राजदूत बनाकर भारत भेजा। सितंबर में सीनेट की विदेश संबंध समिति में अपनी नियुक्ति की पुष्टि सुनवाई के दौरान, गोर ने कहा था कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसका भविष्य इस क्षेत्र और उससे आगे के विकास को प्रभावित करेगा। अपना पदभार संभालने के बाद सरियो गौर ने कहा कि डील पर चर्चा की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सच्ची दोस्ती है और सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं। लेकिन आखिर में वे हमेशा मतभेदों को सुलझा लेते हैं। यह बड़ा बयान उनकी तरफ से माना गया और सर्जियो गौर का यह बयान ऐसे वक्त में आया था जब कुछ अमेरिकी अधिकारी लगातार डील पर साइन करने में देरी को लेकर भारत को ही जिम्मेदार ठहरा रहे थे। तब भारत ने भी अमेरिकी अमेरिकी दावे को खारिज किया था। मतलब भारत झुकने वाला नहीं था। आखिरकार अब डील फाइनल हो चुकी है और इसमें सर्जियो गौर की भी भूमिका बहुत अहम मानी जा रही है क्योंकि सर्जियो गौर ट्रंप के बेहद खास माने जाते हैं।

ड्रोन और सैटेलाइट से खुला रहस्य:

सूडान में मिस्र की गुप्त कार्रवाई

न्यूयॉर्क टाइम्स रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मिस्र सूडान में RSF लड़ाकों के खिलाफ गुप्त एयरबेस से ड्रोन हमले कर रहा है. यह बेस पश्चिमी रेगिस्तान में एक कृषि परियोजना के बीच छिपा हुआ बताया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक ये हमले पिछले छह महीनों से चल रहे हैं, जिससे सूडान संघर्ष में मिस्र की सीधी सैन्य भूमिका पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है. सूडान में चल रहे खूनी संघर्ष को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है. एक रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (RSF) के खिलाफ गुप्त रूप से ड्रोन हमले कर रहा है. यह अभियान मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित एक छिपे हुए एयरबेस से संचालित किया जा रहा है, जो एक बड़े कृषि प्रोजेक्ट के बीच मौजूद बताया गया है. यह दिखाता है कि सूडान के गृहयुद्ध में यूएई सीधे कूद गया है. न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों, उड़ान रिकॉर्ड, वीडियो फुटेज और अधिकारियों के इंटरव्यू के आधार पर दावा किया गया है कि ये ड्रोन हमले कम से कम पिछले छह महीनों से चल रहे हैं.

भारत-अमेरिका ट्रेड डील

ट्रंप का ऐलान: भारत पर टैरिफ 50% से घटकर 18%

'धैर्य रखा तो परिणाम मिला', NDA बैठक में PM ने US ट्रेड डील पर रखी बात

एनडीए की संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने सांसदों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के साथ हुई टैरिफ डील को बड़ा कूटनीतिक और आर्थिक कदम बताया। पीएम ने कहा कि आलोचनाओं के बावजूद सरकार ने धैर्य रखा और धैर्य का ही परिणाम है कि आज यह ऐतिहासिक डील संभव हो पाई। पीएम मोदी ने कहा कि इस समझौते से देश के लिए एक बेहद सकारात्मक माहौल बना है। टैरिफ डील के एलान के बाद आज संसद परिसर में एनडीए के सांसदों ने पीएम मोदी को सम्मानित भी किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे नए युग की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी करार दिया। बैठक में पीएम मोदी ने सांसदों के अनुशासन और संसद में सक्रिय उपस्थिति पर जोर दिया। पीएम ने कहा कि हर सांसद सदन की कार्यवाही में उपस्थित रहे और चर्चा में भागीदारी करे। पीएम ने कहा कि यह सिर्फ सरकार की जवाबदेही नहीं है, बल्कि विधायी प्रक्रिया को मजबूत बनाना सांसदों की भी जिम्मेदारी है। पीएम ने सांसदों को ये भी

निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में लोगों के बीच जाएं और बजट की उपलब्धियां बताएं। पीएम ने कहा कि यह समय है जब आम लोगों को बताया जाए कि बजट में किन उपायों से उनके जीवन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। पीएम ने कहा कि अब भारत को वैश्विक स्तर पर अपनी निर्माण क्षमता मजबूत करनी होगी। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग बढ़े, और देश में क्वालिटी प्रोडक्ट बनें, यह समय की सबसे बड़ी मांग है। देश को अब 'मेड इन इंडिया' की गुणवत्ता दुनिया के सामने रखनी है।'

बलूचिस्तान की सुरक्षा चुनौती: पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने बताई लड़ाई में असफलता के कारण

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं. एक के बाद एक हुए हमलों और जवाबी सैन्य कार्रवाई के बाद वहां हिंसा चरम पर पहुंच गई है. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुद माना है कि बलूचिस्तान में हालात बेहद गंभीर हैं और वहां और ज्यादा सैनिकों की तैनाती की जरूरत है. चीन ने ग्वादर से अपने सभी लोगों को निकाल लिया है. सोमवार को इस्लामाबाद में नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ बेबस नजर आए. उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में 'आतंकवादी' हमलों में तेजी आई है. उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने अलग-अलग इलाकों में चलाए गए अभियानों में अब तक 177 उग्रवादियों को मार गिराया है. आसिफ ने बताया कि आखिर वह हिंसा कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं. उनके मुताबिक बलूचिस्तान पाकिस्तान का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा है, इतना बड़ा इलाका संभालना किसी एक शहर की सुरक्षा से कहीं ज्यादा मुश्किल है. सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह बलूचिस्तान के 12 शहरों और कस्बों में एक साथ आतंकी हमले किए गए. इनमें क्वेटा, मस्तंग, नुश्की, दलबांदिन, खारान, पंजगुर, तुम्प, ग्वादर और पसनी जैसे इलाके शामिल हैं. इन हमलों में आम नागरिकों को भी निशाना बनाया गया. बताया गया है कि हमलावरों में दो महिला आत्मघाती हमलावर भी शामिल थीं. इन हमलों के बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया. राज्य सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के मुताबिक रविवार रात से लेकर सोमवार तक 22 और विद्रोही मारे गए, जिससे कुल संख्या 177 तक पहुंच गई. इनमें से 167 शवों को पहचान और कानूनी प्रक्रिया के लिए अस्पतालों में भेजा गया है.

'सब्जी बेचने वाला आपकी शर्तें कैसे समझेगा?' सुप्रीम कोर्ट ने WhatsApp को लताड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा को कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा कि डेटा शेयरिंग के नाम पर देश के नागरिकों की निजता के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी तब आई जब कोर्ट व्हाट्सएप की 'टेक इट ऑर लीव इट' प्राइवेसी पॉलिसी पर लगी पेनल्टी के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने साफ कहा कि इस तरह की पॉलिसी से यूजर्स की प्राइवेट जानकारी की चोरी हो रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मामलों की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि प्राइवेसी टर्म्स इतनी जटिल तरीके से लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। कोर्ट ने पूछा, "ऑप्ट-आउट का विकल्प कहां है?" मतलब यूजर्स को डेटा शेयरिंग से बाहर निकलने का मौका क्यों नहीं दिया जाता। कोर्ट ने माना कि इस देश में निजता का अधिकार बेहद सख्ती से संरक्षित है। व्हाट्सएप और मेटा की दलीलों को सुनते हुए कोर्ट ने कहा कि यह सब प्राइवेट डेटा की चोरी का एक सभ्य तरीका है। सुनवाई में कोर्ट ने यह भी कहा कि टेक जायंट्स को यूजर्स का डेटा शेयर करने की इजाजत नहीं दी जाएगी, खासकर जब एग्रीमेंट असमान हों। मतलब यूजर्स के पास कोई चॉइस नहीं होती, या तो पॉलिसी मानो या ऐप छोड़ो। कोर्ट ने इस पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि ऐसी कंपनियां नागरिकों की कमजोरी का फायदा उठा रही हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, "आप इस देश

के संवैधानिक मूल्यों का मजाक उड़ा रहे हैं। हम इसे तुरंत खारिज कर देंगे। आप लोगों के निजता के अधिकार के साथ इस तरह खिलवाड़ कैसे कर सकते हैं? उपभोक्ता के पास कोई विकल्प नहीं है, आपने एकाधिकार स्थापित कर दिया है।" व्हाट्सएप की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल ने दलील दिया कि प्लेटफॉर्म की पॉलिसी से बाहर निकलने का भी विकल्प मौजूद है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने सवाल उठाते हुए कहा, "सड़कों पर फल-सब्जी बेचने वाली एक गरीब महिला, क्या वह आपकी नीति की शर्तों को समझ पाएगी? कोई भी उसे समझाने के लिए उपलब्ध नहीं होगा। क्या आपकी घरेलू सहायिका इसे समझ पाएगी? आपने लाखों लोगों का डेटा एकत्र किया होगा। यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक घिनौना तरीका है। हम आपको इसका इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देंगे।"

संपादक की कलम से

विकास एक ऐसा व्यापक शब्द है, जो केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है। यह समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, तकनीक, संस्कृति और पर्यावरण सहित जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है। किसी राष्ट्र की प्रगति को सही मायनों में मापने के लिए केवल जीडीपी या औद्योगिक उत्पादन को ही नहीं देखा जाता, बल्कि उसके नागरिकों की जीवन गुणवत्ता, सामाजिक संरचना और समान अवसरों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है।विकास का पहला और सबसे महत्वपूर्ण आयाम है आर्थिक विकास। जब किसी देश या क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और लोग अपने जीवन स्तर को सुधार पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, औद्योगिक निवेश, नई तकनीक और स्टार्टअप संस्कृति आर्थिक विकास को तेज करती हैं। लेकिन केवल आर्थिक वृद्धि से ही विकास पूरा नहीं होता। आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना जरूरी है। इसीलिए सामाजिक विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, महिला सशक्तिकरण और दलित-पिछड़े वर्गों के लिए समान अवसर समाज के संतुलित विकास में योगदान देते हैं।विकास का तीसरा आयाम है अंतरसंस्कृतिक और नैतिक विकास। किसी भी समाज की प्रगति तभी स्थायी होती है जब उसके नागरिकों में सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिक मूल्य और सहयोग की भावना विकसित हो। केवल भौतिक विकास से समाज में असमानता और सामाजिक तनाव बढ़ सकते हैं। इसलिए शिक्षा, नैतिक प्रशिक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता के माध्यम से सामाजिक विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है।आज का विकास तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के बिना अधूरा है। इंटरनेट, डिजिटल तकनीक, स्मार्ट शहर, और आधुनिक कृषि पद्धतियाँ समाज और राष्ट्र को तेजी से आगे बढ़ाती हैं। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रम युवाओं को अवसर देते हैं और देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही, विज्ञान और तकनीक स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी सुधार लाती है।पर्यावरणीय संतुलन और स्थायी विकास भी आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि विकास केवल उद्योग, निर्माण और शहरों तक सीमित रहेगा और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा नहीं होगी, तो यह अस्थायी और हानिकारक साबित होगा। सतत विकास के लिए हर कदम पर ऊर्जा की बचत, हरित तकनीक और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी है।अंत में, विकास एक प्रक्रिया है जो निरंतर प्रयास और सहयोग से ही संभव है। केवल सरकार की नीतियाँ ही नहीं, बल्कि नागरिकों की भागीदारी, समाज की जागरूकता और नैतिक जिम्मेदारी भी आवश्यक है। जब आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा, तभी विकास का वास्तविक अर्थ पूरा होगा।विकास केवल आधुनिक इमारतों या बड़े उद्योगों का नाम नहीं है, बल्कि यह समाज में सुधार, जीवन की गुणवत्ता, समान अवसर और संतुलित पर्यावरण के साथ एक स्थायी और समग्र प्रगति का नाम है। इसी को अपनाकर हम एक मजबूत, सशक्त और प्रगतिशील राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

India-US ट्रेड डील: रूस से तेल खरीद पर भारत की मुश्किलें और आगे का रास्ता

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी हुई ट्रेड डील पूरी हो गई है. लेकिन ट्रंप ने रूस से तेल न खरीदने की शर्त रखी है. अब सवाल यह है कि क्या PM मोदी इस शर्त को पूरा कर पाएंगे?

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए नए व्यापार समझौते के बाद यह सवाल उठता है कि क्या भारत पूरी तरह से रूस से तेल की खरीद बंद कर देगा और इसके आर्थिक परिणाम क्या होंगे। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने 3 फरवरी 2026 को अपनी रिपोर्ट में इस बात को स्पष्ट किया कि भारत हाल के महीनों में रूस से क्रूड ऑयल की खरीद पहले से ही घटा रहा है। हालांकि, अगर सभी खरीद को तुरंत रोक दिया गया, तो यह भारत के आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। मूडीज ने कहा कि अचानक रूस से तेल की खरीद बंद करने से आपूर्ति में कमी आ सकती है, तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं और मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ सकता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है, इसलिए इसकी ऊर्जा जरूरतों में अचानक बदलाव का असर न केवल घरेलू अर्थव्यवस्था पर, बल्कि वैश्विक तेल बाजार पर भी पड़ सकता है।मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि पूरी तरह गैर-रूसी तेल की ओर जाने से वैश्विक आपूर्ति और तंग हो सकती है, जिससे तेल की कीमतों में वृद्धि होगी। इससे भारत जैसे बड़े आयातक देश में महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि भारत तुरंत सभी रूसी तेल खरीद को बंद करने की योजना नहीं बना रहा है, क्योंकि इससे आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मूडीज का विश्लेषण बताता है कि भारत इस बदलाव को धीरे-धीरे लागू करेगा और ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखेगा।यह टिप्पणी उस व्यापार समझौते के संदर्भ में आई है, जिसमें अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगाए गए टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत रूस से तेल की खरीद बंद करेगा और इसके बजाय वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से अधिक का सामान खरीदेगा, जिसमें ऊर्जा भी शामिल है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर प्रतिक्रिया में केवल यह कहा कि टैरिफ कम किया गया है और उन्होंने रूस से तेल बंद करने का कोई जिक्र नहीं किया।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि रूसी तेल खरीद पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत का पैनल्टी टैरिफ हटा दिया गया है। इसके अलावा, भारत ने इस प्रकार की खरीद बंद करने पर सहमति दी है। लेकिन मूडीज का विश्लेषण बताता है कि भारत इस बदलाव को धीरे-धीरे लागू करेगा। इसका कारण यह है कि तुरंत बदलाव करने से ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।इस समझौते से भारत के निर्यात को भी लाभ होने की उम्मीद है। रत्न, आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों में भारत को अमेरिका के बाजार से बड़ा फायदा मिलने की संभावना है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और यह समझौता दोनों देशों के बीच पिछले तनाव को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में कदम है। समझौते का लक्ष्य है कि 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार 500 अरब डॉलर तक पहुंच सके।समझौते की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार में तेजी आई। निफ्टी में लगभग तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और रुपया मजबूत होकर 90.40 प्रति डॉलर पर पहुंचा। मूडीज ने स्पष्ट किया कि रूस से तेल की निर्भरता कम करने का फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों और वैश्विक बाजार की स्थिति पर निर्भर करेगा। भारत सावधानी से कदम उठाएगा ताकि इसके आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति पर नकारात्मक असर कम से कम हो। आने वाले समय में इस पर और अधिक स्पष्टता आने की उम्मीद है।इस प्रकार, अमेरिका और भारत के बीच यह व्यापार समझौता न केवल टैरिफ में राहत देता है, बल्कि भारत के लिए रणनीतिक चुनौतियों और आर्थिक संतुलन के मुद्दे भी सामने लाता है। रूस से तेल की पूरी तरह बंद खरीद फिलहाल भारत की प्राथमिक योजना में शामिल नहीं है और इसे धीरे-धीरे लागू किया जाएगा ताकि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास पर असर न पड़े।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, राजनाथ सिंह और अमित शाह का दावा

भारत और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता हुआ है। 18 फीसदी टैरिफ पर सहमति से भारत को बड़ा लाभ होगा। इस समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने फैसले को सराहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत-अमेरिकी की डील को गहरे और बड़े आर्थिक सहयोग का एक नया अध्याय बताया। उन्होंने लिखा, "भारत-अमेरिका संबंधों के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि एक ऐतिहासिक व्यापार समझौता फाइनल हो गया है। इससे टैरिफ काफी कम होकर 18 प्रतिशत हो गए हैं, जिससे गहरे और बड़े आर्थिक सहयोग का एक नया अध्याय शुरू हुआ है।" उन्होंने निर्णायक समझौते पर पहुंचने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देते हुए आगे 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "यह डील हमारी रणनीतिक साझेदारी को काफी मजबूत करेगी और दोनों देशों व उनके लोगों को ठोस फायदे पहुंचाएगी। इस समझौते के साथ भारत-अमेरिका आर्थिक संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाले हैं।" भारत-अमेरिका के बीच डील को केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने लिखा, "भारत-अमेरिका संबंधों के लिए यह एक बड़ा दिन है, क्योंकि ट्रेड डील 18 प्रतिशत की काफी कम टैरिफ दर पर पक्की हो गई है, जिससे मजबूत व्यापार संबंधों और आपसी विकास का रास्ता साफ हो गया है।"

उन्होंने कहा, "मैं इस ऐतिहासिक डील के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देता हूं, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी। साथ ही, दोनों देशों और उनके लोगों को बहुत फायदा पहुंचाएगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और भी ज्यादा फलेगा-फूलेगा।" केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 'मेड इन इंडिया' प्रोडक्ट्स के लिए यह अच्छी खबर है। अब उन पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। उन्होंने लिखा, "इस समझौते के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की लीडरशिप को धन्यवाद। हमारे दो बड़े लोकतंत्रों के लोगों को इसका फायदा होगा।" केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार साझेदारी आपसी विश्वास और अवसरों को दिखाती है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों, किसानों, युवाओं और उद्योगों को फायदा होता है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "भारत और अमेरिका दुनिया के सबसे सच्चे लोकतंत्र, साझा मूल्यों और ग्लोबल जिम्मेदारी वाले स्वाभाविक पार्टनर हैं। साथ मिलकर हम शांति, विकास और इनोवेशन को आगे बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ग्लोबल भागीदारी लगातार मजबूत हो रही है।"

ED का बड़ा वार!

बंगाल में अवैध कोयला खनन केस में पुलिस अधिकारी समेत 10 ठिकानों पर रेड

पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ED) एक बार फिर एक्शन मोड में है। मंगलवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी जारी है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन और परिवहन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत प्रवर्तन निदेशालय की टीमें राज्य के लगभग 10 विभिन्न परिसरों की तलाशी ले रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस छापेमारी के केंद्र में राज्य पुलिस के अधिकारी मनोरंजन मंडल हैं। मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों के अलावा, इस सिंडिकेट से जुड़े कई अन्य संदिग्धों के घरों पर भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों सहित लगभग 10 परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली जा रही है। यह मामला संघीय जांच एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे एक अन्य कथित कोयला घोटाला मामले से अलग है, जिसमें एजेंसी ने पिछले महीने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श कंपनी 'आई-पैक' के परिसर पर छापा मारा था। अधिकारियों ने बताया कि किरण खान, शेख अख्तर, प्रबीर दत्ता, मिर्जा एच बेग समेत कुछ लोगों के घरों पर छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसी को संदेह है कि अवैध कोयला खनन के जरिए करोड़ों रुपये की कमाई की गई और इसे मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए वैध बनाने की कोशिश की गई। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से कोयले का अवैध परिवहन किया गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी चपत लगी है।

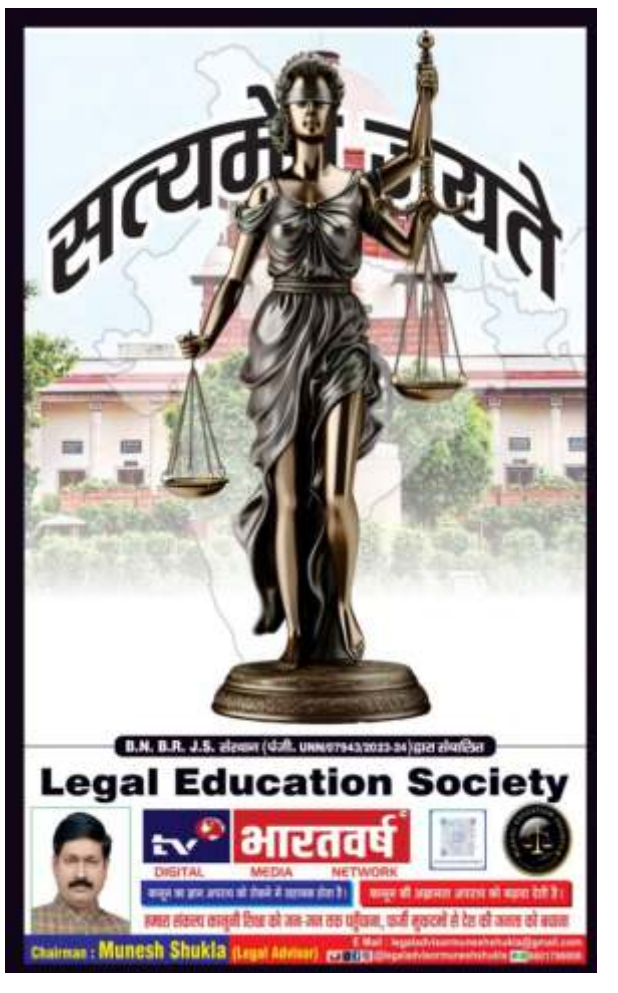

साइबर अपराध का बढ़ता कहर और बेबस सरकारी व्यवस्थाएँ

साइबर अपराध आज की डिजिटल दुनिया में एक ऐसी महामारी बन चुका है जो न केवल आम आदमी की मेहनत की कमाई को चंद मिनटों में उड़ा देता है, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों: बुजुर्गों और अशिक्षितोंको भी अपना शिकार बनालेता है. हाल ही में दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग एनआरआई दंपत्ति, ओम तनेजा और डॉ. इंदिरा तनेजा, के साथ हुई घटना इसकी एक दर्दनाक मिसाल है.यह दंपत्ति अमेरिका से 2014 में अपनी मातृभूमि की सेवा करने के इरादे से भारत लौटे थे, लेकिन साइबर ठगों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर दो सप्ताह से अधिक समय तक मानसिक रूप से प्रताड़ित कर 14.85 करोड़ रुपये ठग लिए. यह दिल्ली में हुई अब तक के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड मामलों में से एक है, जहां ठगों ने खुद को दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई), मुंबई पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर दंपत्ति को मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग्स से जुड़े झूठे आरोपों में फंसाया. इस घटना ने न केवल इस दंपत्ति की जीवनभर की बचत छीन ली, बल्कि पूरे देश में साइबर सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है. इस मामले में मुंबई पुलिस और सीबीआई के फर्जी अधिकारियों ने उन्हें डर धमका कर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा, जहां वे घर से बाहर नहीं निकल सकते थे और लगातार निगरानी में रहने को मजबूर थे. ठगों ने धमकी दी कि अगर वे सहयोग नहीं करेंगे, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनके बच्चे भी फंस जाएंगे. दंपत्ति, जो शिक्षित और अमेरिका में दशकों तक काम कर चुके थे, डर के मारे इनकी हर गैरकानूनी शर्तों पर सहमत हो गए. उन्होंने अपनी म्यूचुअल फंड और बचत खातों से 8 अलग-अलग ट्रांसफर में 14.85 करोड़ रुपये 'वेरिफिकेशन' के नाम पर ठगों के खातों में ट्रांसफर कर दिए, जिसमें हर ट्रांसफर लगभग 2 करोड़ का हुआ. गौरतलब है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है, भारत में 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2022 से 2024 के बीच ऐसे मामले तीन गुना बढ़कर 1,23,000 हो गए और पीड़ितों से करोड़ों रुपये ठगे गए. उदाहरण के तौर पर, मुंबई में एक 86 वर्षीय महिला से 20 करोड़ रुपये ठगे गए, जहां ठगों ने खुद को अधिकारियों के रूप में पेश किया. बेंगलुरु में एक महिला टेकी से 32 करोड़ रुपये की ठगी हुई, जो इनसाइडर ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट स्कैम से जुड़ी थी. मुंबई में एक 72 वर्षीय व्यवसायी और उनकी पत्नी से 58 करोड़ रुपये उड़ाए गए, जहां ठगों ने उन्हें दो महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा. दिल्ली में ही एक और बुजुर्ग व्यवसायी महिला से 6.9 करोड़ रुपये ठगे गए. ये मामले दिखाते हैं कि ठग बुजुर्गों और शिक्षितों को निशाना बनाते हैं, क्योंकि वे डर और अकेलेपन का फायदा उठाते हैं. कुल मिलाकर, 2025 में केवल दिल्ली में ही 1,250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई

"भारत vs साउथ अफ्रीका वॉर्म-अप मैच:

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बिगुल अब बस कुछ ही दिनों में बजने वाला है। 7 फरवरी से आधिकारिक रूप से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होने जा रही है। उससे पहले सभी टीमें वार्मअप मुकाबलों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम धार दे रही हैं। 2 फरवरी से वॉर्म-अप मैचों का आगाज हो चुका है और पहले ही दिन इंडिया-ए, अफगानिस्तान और इटली ने जीत के साथ माहौल बना दिया। डिफेंडिंग चैंपियन भारत भी अपने अभियान से पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वार्मअप मैच में उतरेगा, जहां सूर्यकुमार यादव की टीम की नजरें कॉम्बिनेशन सेट करने और छोटी-छोटी कमियों को दूर करने पर होंगी। फैंस के लिए राहत की खबर यह है कि यह मुकाबला लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा, आइए जानते हैं इसे आप कहां और कैसे देख सकते हैं। भारत–साउथ अफ्रीका का वार्मअप मुकाबला उन चुनिंदा मैचों में शामिल है, जिसे फैंस लाइव देख पाएंगे। मैच का लाइव टेलीकास्ट Star Sports Network पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग JioHotstar पर उपलब्ध रहेगी। इसी प्लेटफॉर्म पर नेपाल बनाम यूएई, अफगानिस्तान बनाम वेस्टइंडीज, पाकिस्तान बनाम आयरलैंड, नेपाल बनाम कनाडा, न्यूजीलैंड बनाम आईसीसी, इटली बनाम यूएई और नामीबिया बनाम इंडिया 'A' जैसे अन्य सेलेक्ट वार्मअप मैच भी स्ट्रीम किए जाएंगे। मैचों की हाइलाइट्स आप International Cricket Council के डिजिटल चैनलों पर देख सकते हैं।

ICC T20I रैंकिंग:

दीप्ति शर्मा बनीं दुनिया की नंबर-1 गेंदबाज

पैट कमिंस की चोट बढ़ा सकती है SRH की परेशानी

टी20 वर्ल्ड कप से पैट कमिंस चोट के चलते बाहर हुए पैट कमिंस इंडियन प्रीमियर लीग (IPL 2026) भी मिस कर सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के आगामी सीजन के लिए फिट हो जाएंगे। लेकिन, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना और कितना खेलना है, यह उनकी पीठ की रिकवरी पर निर्भर करेगा। मीडिया रिपोर्ट, में कमिंस के हवाले से कहा गया है कि यह सब उनकी पीठ पर निर्भर करेगा। कुछ हफ्तों में उनका एक और स्कैन होना है। अगर सब ठीक रहा तो वह धीरे-धीरे तैयारी शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि टी20 मैच खेलना थोड़ा आसान होता है। इसीलिए वह इस वर्ल्ड कप में खेलने के बहुत करीब थे। ज्ञात हो कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान को श्रीलंका और भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि उन्हें एक मामूली चोट लगी थी। यह उन्होंने खुद बताया। वह पिछले सात महीनों से पीठ की चोट से परेशान हैं और उन्होंने घर पर पांच मैचों की एशेज सीरीज में भी सिर्फ एक टेस्ट ही खेला था। कमिंस ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली झटका लगा। मैं कुछ हफ्ते आराम करूंगा और फिर आगे देखूंगा। उन्होंने बताया कि हमें एडिलेड टेस्ट मैच के बाद पता था कि हड्डी को ठीक से ठीक होने देने के लिए चार से आठ हफ्ते लगेंगे, जिसके बाद हम फिर से तैयारी शुरू करेंगे।

T20 WC 2026: करीब 40 भारतीय मूल के खिलाड़ी अलग-अलग टीमों से खेलेंगे

कभी भारत के लिए खेलने का सपना देखने वाले करीब 40 क्रिकेटर्स अब अलग अलग टीमों के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलेंगे. मोनांक पटेल, सौरभ नेत्रवलकर, जसप्रीत सिंह समेत कुछ और भारतीय मूल के खिलाड़ी सात फरवरी से शुरू होने वाले T20 वर्ल्ड कप में अलग-अलग टीमों की तरफ से मैदान पर उतरेंगे. 20 टीमों में, भारतीय मूल के करीब 40 खिलाड़ी अलग-अलग रंगों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे. कनाडा के स्क्वॉड में सबसे ज्यादा 11 भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं. कनाडा के बाद सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ियों वाला स्क्वॉड अमेरिका है. जिसमें 9 खिलाड़ी भारतीय मूल के हैं. ओमान और UAE में सात-सात खिलाड़ी हैं. न्यूजीलैंड में दो और साउथ अफ्रीका में एक खिलाड़ी हैं. USA टीम की कप्तानी 32 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोनांक कर रहे हैं, जो कभी गुजरात U-19 के लिए खेलते थे. भारत में मौका न मिलने के बाद वह अपने परिवार के साथ USA चले गए थे. टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार मोनां का कहना है कि ऊपर वाले ने उन्हें इंटरनेशनल लेवल पर क्रिकेट खेलने का दूसरा मौका दिया है. वहीं जब इटली पहली बार वर्ल्ड कप के मंच पर कदम रखेगा, तो तेज गेंदबाज जसप्रीत अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे. वह काफी छोटी उम्र में इटली चले गए थे, मगर क्रिकेटर बनने का सपना उन्होंने भारत में रहते ही देख लिया था. उन्होंने कहा कि हर क्रिकेटर वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देखता है और सच कहूं तो अभी यहां होना शब्दों में बयान करना मुश्किल है. जो बात इसे और भी खास बनाती है, वह यह है कि यह भारत में खेला जा रहा है, जहां मेरे लिए सब कुछ शुरू हुआ था.

"मिचेल मार्श: हमारा ध्यान टी20 विश्व कप जीत पर"

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श को पाकिस्तान के भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने और बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने इन दोनों मसलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उनका पूरा ध्यान इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने पर है। मार्श सोमवार रात को लाहौर में मेजबान टीम के हाथों टी20 श्रृंखला में 0-3 से मिली हार के बाद पाकिस्तान के मीडिया से रूबरू थे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान से टीम के प्रदर्शन के अलावा मैदान से बाहर चल रही गतिविधियों के बारे में भी सवाल पूछे गए जिनके कारण भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मार्श से जब 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का पाकिस्तान द्वारा बहिष्कार करने के संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'इस समय मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। हम विश्व कप में सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। बाकी चीजें अपने आप सुलझ जाएंगी।' पत्रकारों ने उनसे बांग्लादेश को 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण भारत आने से इनकार करने पर प्रतियोगिता से बाहर किए जाने के बारे में भी सवाल पूछा गया जिस पर उनकी प्रतिक्रिया पहले जैसी ही थी। उन्होंने कहा, 'मेरी पिछली प्रतिक्रिया भी यही थी। हम विश्व कप जीतने की कोशिश करने जा रहे हैं और हमारा पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के रूप में हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा।'

भारतीय प्रोफेशनल ने गिनाईं खूबियां

जॉब के लिए नीदरलैंड्स पहली पसंद

30% टैक्स छूट, मजबूत लेबर लॉ और शानदार वर्क-लाइफ बैलेंस के कारण नीदरलैंड्स भारतीयों की पहली पसंद बन रहा है. सुरक्षित माहौल और भाषा की सुगमता इसे विदेश में नौकरी के लिए बेहतरीन विकल्प बनाती है.

नीदरलैंड्स में 98 फीसदी लोग इंग्लिश बोलते हैं (Photo:Insta/@Anuj Sharma and Pixabay)

भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए विदेश में नौकरी का सपना अब सिर्फ अमेरिका या ब्रिटेन तक सीमित नहीं रहा है. सोशल मीडिया पर भारतीय फाइनेंस प्रोफेशनल अनुज शर्मा की एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने काम के लिए नीदरलैंड्स को क्यों चुना और यह फैसला उनके लिए कैसे बिल्कुल सही साबित हुआ. अनुज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया-मैंने किसी भी दूसरे देश की बजाय नीदरलैंड्स में काम करने का फैसला क्यों किया. ये पोस्ट अब वायरल है. उनका कहना है कि ये वजहें उनके निजी अनुभवों पर आधारित हैं और हर किसी की परिस्थिति अलग हो सकती है.इसके बावजूद, इन 7 कारणों ने हजारों यूजर्स का ध्यान खींचा और पोस्ट को खूब लाइक व शेयर मिला. नीदरलैंड्स में एक्सपैट्स के लिए 30% रूलिंग लागू है.यानी पहले 5 साल तक सैलरी का 30% हिस्सा टैक्स-फ्री.अनुज का कहना है कि इससे इन-हैंड सैलरी काफी बढ़ जाती है. अनुज के अनुसार, यहां लेबर लॉ सख्त हैं और कर्मचारी अधिकार मजबूत है. इससे ऑफिस में सुरक्षा और स्थिरता महसूस होती है. करीब 98 फीसदी लोग इंग्लिश बोलते हैं, इसलिए नए लोगों को भाषा को लेकर किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती. ⊙

जापान में 30 मिनट के ओवरटाइम का भी मिलता है पूरा पैसा

जापान की काम करने की संस्कृति दुनिया भर में मशहूर है. अब जापान में काम कर रही एक भारतीय शिक्षिका ने वहां के नियमों और काम के माहौल को लेकर ऐसा अनुभव शेयर किया है, जिसे जानकर लोग हैरान भी हैं और प्रभावित भी. उन्होंने बताया कि जापान में अतिरिक्त काम का पूरा पैसा मिलता है, चाहे वह सिर्फ 30 मिनट ही क्यों न हो. जापान अपनी अनुशासित और नियमों पर आधारित कार्य संस्कृति के लिए जाना जाता है. ⊙

बीमार मां की देखभाल के लिए मिली 1 महीने की पेड लीव

टारगेट से पहले इंसानियत ज़रूरी

आज के समय में ज्यादातर कंपनियों में कर्मचारियों से हर वक्त काम की उम्मीद की जाती है.

ऐसे माहौल में एक भारतीय बिजनेस का इंसानियत भरा फैसला लोगों का दिल जीत रहा है. उन्होंने अपनी एक महिला कर्मचारी को उसकी बीमार मां की देखभाल के लिए बिना किसी शर्त के पूरे एक महीने की पेड लीव दी. यह फैसला सोशल मीडिया ग्रोथ कंपनी बिंगलैब्स के सह-संस्थापक दिव्य अग्रवाल ने लिया. ⊙

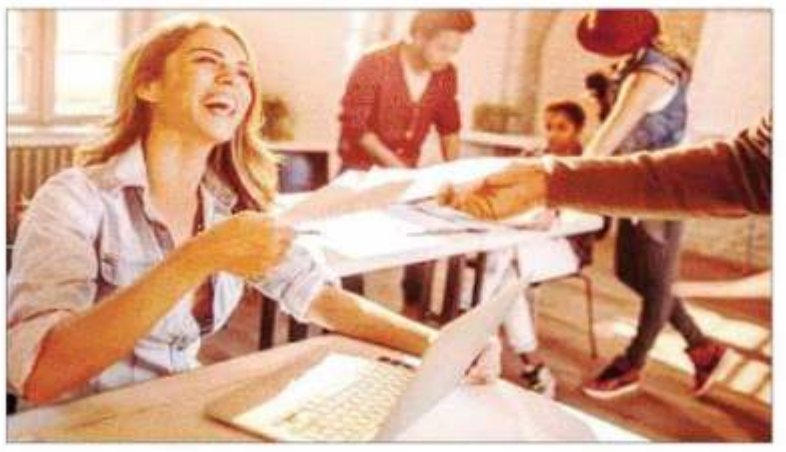

पाकिस्तानी एक्ट्रेस के निक़ाह की क्लिप पर छिड़ी बहस

महीने के 5 लाख और शॉपिंग का खर्चा मांगा

सोशल मीडिया पर इन दिनों पाकिस्तान के एक निकाह समारोह का वीडियो जबरदस्त सुर्खियां बटोर रहा है. वीडियो उसी वक्त चर्चा में आया जब यह बताया गया कि क्लिप पाकिस्तान की एक्ट्रेस हिना अफरीदी के निकाह की है.

हिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर्सनैलिटी तैमूर अकबर से निकाह किया और शादी की तस्वीरें लगातार वायरल हो रही हैं. लेकिन इन तमाम खूबसूरत पलों के बीच एक छोटी-सी वीडियो ने बहस छेड़ दी है. वायरल क्लिप में हिना अफरीदी बेहद हल्के-फुल्के अंदाज में अपने पति के सामने एक शर्त रखती नजर आती हैं. वीडियो में वह हंसते हुए कहती हैं कि उन्हें हर महीने 5 लाख रुपये, साथ ही ट्रैवल और शॉपिंग का पूरा इंतज़ाम चाहिए. तैमूर अकबर भी मुस्कुराते हुए इन बातों से सहमत हो जाते हैं. देखने में यह पूरा संवाद मजाक-मस्ती जैसा लगता है, लेकिन सोशल मीडिया ने इसे दो बिल्कुल अलग नजरियों से लिया है और यही से बहस शुरू हुई. एक तरफ कई यूजर्स का कहना है कि निकाह की रस्मों के दौरान हल्की-फुल्की नोकझोंक और मस्ती आम बात है. उनके मुताबिक, हिना ने जो कहा वह महज एक प्रतीकात्मक मजाक था, जिसे शादी के माहौल में गंभीरता से लेना ही नहीं चाहिए.

इक्का टीज़र: सनी देओल अक्षय खन्ना के साथ भिड़े, सीन देख फैंस के रोंगटे खड़े,

सनी देओल और अक्षय खन्ना की नई फिल्म 'इक्का' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है और इसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस टीजर में अक्षय खन्ना और सनी देओल दोनों ही मुख्य भूमिका में हैं और दोनों को कोर्टरूम में आमने-सामने देखा जा सकता है। फिल्म का टीजर कोर्टरूम ड्रामा पर केंद्रित है और इसमें दोनों पात्रों के बीच की टकराहट दिखाई गई है। अक्षय खन्ना का लुक और उनका अंदाज देखते ही बनता है। कई दर्शकों को उनका रूप देखकर पुराने किरदार की याद आती है।टीजर की शुरुआत में सनी देओल वकील के रूप में कोर्ट में प्रवेश करते हैं। उनके चेहरे पर उदासी और गंभीरता दिखाई देती है। उनकी आंखों में भावनाएं साफ दिखाई देती हैं। जैसे ही वह कोर्ट में खड़े होते हैं, अक्षय खन्ना की एंट्री होती है। उनके प्रवेश के बाद कोर्ट में माहौल बदल जाता है और दोनों पात्रों के बीच की तनावपूर्ण स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अक्षय खन्ना का किरदार बहुत ही गंभीर और कठोर नजर आता है। उनकी नजरें और उनकी शैली दर्शकों को प्रभावित करती हैं।अक्षय खन्ना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में एक कैमियो भूमिका में नजर आए थे। उस फिल्म में उन्होंने कर्नल धर्मवीर सिंह की भूमिका निभाई थी, जो मूल फिल्म 'बॉर्डर' में भी दिखाई गई थी। इसके बाद उनकी वापसी 'इक्का' में हुई है, जहां वह एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका में हैं। उनके किरदार के सामने सनी देओल का पात्र कोर्ट में चुनौतीपूर्ण स्थिति में खड़ा दिखाई देता है।टीजर में कोर्टरूम का माहौल और दोनों कलाकारों की तैयारी स्पष्ट रूप से दिखाई गई है। सनी देओल के वकील होने के नाते उनके गंभीर और सोचे समझे अंदाज को दिखाया गया है। अक्षय खन्ना का किरदार कठोर और सटीक नजर आता है। दोनों पात्रों के बीच की टकराहट दर्शकों के लिए फिल्म की कहानी के प्रति उत्सुकता बढ़ाती है। इस टीजर को देखने के बाद दर्शक फिल्म के मुख्य कथानक और दोनों पात्रों की भूमिकाओं को समझ सकते हैं।

इंडिया-यूएस ट्रेड डील पर अखिलेश यादव का हमला, बोले- किसानों से धोखा और आत्मनिर्भरता पर चोट

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना करते हुए इसे 70% किसान आबादी के साथ विश्वासघात बताया है।

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाज़ार खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। X पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने लिखा कि भाजपा ने फिर 'किसानों' पर हमला किया। भाजपा सरकार, जवाब दो: दबाव क्या है? अमेरिकी कृषि उत्पादों और अनाजों के लिए भारत के बाज़ार खोलना हमारे देश की 70% आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती और कृषि पर निर्भर है। भाजपा सदस्य और उनके सहयोगी स्वतंत्रता से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, और आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों को जनता के बीच जाकर यह बताना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था के साथ विश्वासघात करने के बदले उन्होंने कितना कमीशन लिया है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां न केवल किसानों को नुकसान पहुंचाएंगी बल्कि खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों, मुनाफाखोरी को बढ़ावा देने और अंततः किसानों को अपनी जमीन बड़ी कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर करके निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को भी प्रभावित करेंगी। पोस्ट में लिखा था कि इससे न केवल किसान बल्कि निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, क्योंकि इससे अनाज और कृषि उत्पादों से मुनाफाखोरी होगी और बिचौलियों की एक नई नस्ल का उदय होगा। परिणामस्वरूप, सभी खाद्य और पेय पदार्थ और भी महंगे हो जाएंगे। साथ ही, भाजपा इन कंपनियों से चंदा भी वसूलेगी, जिससे खाद्य और कृषि उत्पादों की कीमतें और भी बढ़ जाएंगी। धीरे-धीरे, इससे हमारे किसानों की खेती और आय कम हो जाएगी, जिससे वे अपनी जमीन अमीरों और कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर हो जाएंगे। जमीन हड़पना भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों का अंतिम लक्ष्य है। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसकी अस्पष्टता ने व्यापारियों और निर्यातकों को नुकसान पहुंचाया है, कारोबारियों के लिए वित्तीय संकट पैदा किया है और वैश्विक मंच पर भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर किया है। राय ने एएनआई से कहा कि निश्चित रूप से यह अमेरिका के साथ निर्यात व्यापार करने वाले हमारे सभी व्यापारियों और कारोबारियों के लिए राहत की बात है। लेकिन इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? एक गलत विदेश नीति के कारण ऐसी अराजकता पैदा हुई है। कई कारोबारियों ने बैंक से कर्ज लिया है और वे ईएमआई चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। यदि विदेश नीति में स्पष्ट रूपरेखा का अभाव है, तो देश को इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। यह भारत सरकार के लिए एक सबक है।

अजय राय ने मजार पर चादर चढ़ाई बोले:

KGMU से पहले की

लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को केजीएमयू परिसर स्थित दरगाह शाहमीना शाह मजार पर चादर चढ़ाई। चादरपोशी के बाद भाजपा सरकार पर हमला करते हुए मजार को तोड़ने की कार्रवाई को इतिहास और विरासत के खिलाफ साजिश करार दिया। अजय राय ने कहा- यह मजार केजीएमयू की स्थापना से भी पहले से मौजूद है। KGMU ने मजार हटाने का जो नोटिस दिया है। वह गैरकानूनी है। उन्होंने कहा- सरकार विकास कार्यों पर ध्यान देने के बजाय ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रतीकों को निशाना बना रही है। इतिहास को मिटाने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। अजय राय ने कहा- मौजूदा सरकार हर जगह सिर्फ तोड़फोड़ की नीति पर काम कर रही है। जब विकास करने की क्षमता नहीं बचती, तब ध्यान भटकाने के लिए ऐसे मुद्दे खड़े किए जाते हैं। कांग्रेस किसी भी कीमत पर लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान को तोड़ने नहीं देगी। लखनऊ नवाबों की तहज़ीब और विरासत का शहर है। यहां की इमारतें, मजारें और दरगाहें सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि शहर के इतिहास का हिस्सा हैं। संभव है कि इन्हीं बुजुर्गों की कृपा और विरासत के चलते इस स्थान पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो सकी और जमीन उपलब्ध हुई। अजय राय ने मजार प्रबंधन को नोटिस दिए जाने की कार्रवाई को गलत ठहराया। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक विरासत दोनों के लिए खतरनाक है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर ऐतिहासिक स्थलों को लेकर प्रशासनिक दबाव बनाया गया, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) स्थित अवैध मजारों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 5 अवैध मजारों को हटाने के निर्देश जारी किए हैं। मजारों पर इस संबंध में नोटिस चस्पा किया गया है।

लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पुतला फूंका गया और जूते मारे

लखनऊ में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी फोटो को जूते मारे और पैरों से कुचला। राय ने भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह पर अभद्र टिप्पणी की थी। भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता कानपुर रोड स्थित शहीद पथ तिराहे पर जमा हुए। यहां कार्यकर्ताओं ने अजय राय का पुतला फूंका। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अजय राय की टिप्पणी को निराधार, आपत्तिजनक और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि अजय राय ने अपने बयान में विधायक पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए देश और प्रदेश को लूटने जैसे गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, इन आरोपों के लिए कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान न केवल एक जनप्रतिनिधि की छवि को धूमिल करने का प्रयास हैं, बल्कि ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं और प्रशासनिक सेवाओं का भी अपमान है। भाजपा

नेताओं ने दावा किया कि विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी और कानून के दायरे में रहकर कार्य किया है। इस प्रदर्शन के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात बाधित हुआ। पुलिस के समझाने पर प्रदर्शनकारी दूसरी पटरी पर चले गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। बाद में एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद करीब एक बजे यातायात पूरी तरह सुचारु हो सका। इस दौरान शिव शंकर सिंह शंकरी की ओर से सरोजनी नगर थाने में अजय राय के खिलाफ तहरीर भी दी गई।

लखनऊ में पुलिसकर्मियों की संवेदनहीनता

लखनऊ के गौतमपल्ली इलाके में लोहिया पथ पर पुलिसकर्मियों का संवेदनहीनता का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें एक पुलिसकर्मी बारिश से बचने के लिए सड़क किनारे खड़े बाइक सवारों का चालान काट रहा है। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लखनऊ में मंगलवार सुबह से ही तेज बारिश हो रही थी। जिसके चलते काम पर निकले लोग सड़क किनारे खड़े होकर खुद को बारिश से बचा रहे थे। तभी वहां पर पुलिसकर्मी और इंटरसेप्टर की गाड़ी आई। जिसमें से पुलिसकर्मी उतरे और बारिश से बचने के लिए शेड के नीचे खड़े लोगों के गाड़ी का चालान काटने लगे। चालान कटता देख अफरातफरी मच गई। लोग अपने गाड़ियों को बचाने के लिए बाइक लेकर भागने लगे। इस दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में बना लिया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। मामले में इंस्पेक्टर गौतमपल्ली रत्नेश सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री वहां से निकलने वाले थे। सुरक्षा के मद्देनजर सबको हटाया जा रहा था। किसी का चालान नहीं किया गया है।

लखनऊ में सिर कूचकर युवक की हत्या

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मुल्ला खेड़ा गांव के पास मंगलवार सुबह सड़क किनारे एक मजदूर का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान ग्राम चौरासी निवासी संतराम (40) पुत्र दुलारे रावत के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि ईंट से वार कर हत्या की गई है। ग्रामीणों के अनुसार सुबह सड़क किनारे शव पड़ा देख ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी। सुबह 8:27 बजे प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल की जांच के दौरान एक ईंट बरामद की गई है, जिसे हत्या में इस्तेमाल किया जाना माना जा रहा है। पुलिस ने मौके को सील कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। फुटेज में मृतक साइकिल से शराब के ठेके की ओर जाता हुआ दिखाई दिया है। पुलिस इसी रूट के आधार पर संदिग्धों की तलाश में जुटी है। यह जानने की कोशिश कर रही है कि अंतिम बार वह किसके संपर्क में था।

यूपी निवेशकों की पहली पसंद बनी, सन फार्मा और मैनकाइंड ने सुरक्षा मॉडल की सराहना की

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित 'फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' देश के औद्योगिक इतिहास में एक बड़ा मोड़ साबित हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने अपनी पुरानी पहचान को पीछे छोड़ते हुए खुद को भारत के उभरते 'फार्मा पावरहाउस' के रूप में स्थापित कर लिया है। कॉन्क्लेव में जुटे सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज और जाइडस जैसे वैश्विक दिग्गजों ने एक स्वर में स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश अब 'रेड टेप' (लालफीताशाही) के दौर से निकलकर 'रेड कार्पेट' के युग में प्रवेश कर चुका है। कॉन्क्लेव के दौरान उद्योग जगत के बड़े नामों ने राज्य की कानून-व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासन को निवेश का सबसे मुख्य आधार बताया।

सन फार्मा : पद्मश्री दिलीप सांघवी ने स्पष्ट किया कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी फार्मा कंपनी होने के नाते वे उत्तर प्रदेश को अपनी अगली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए देश का सबसे सुरक्षित स्थान मानते हैं। टोरेंट ग्रुप: जीनल मेहता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राज्य के 20 जिलों में काम करने के बावजूद उन्हें कहीं भी प्रशासनिक बाधा या सुरक्षा की चिंता नहीं हुई। मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा का संबोधन बेहद भावुक रहा। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 2001 में सुरक्षा कारणों से उन्हें प्रदेश छोड़ना पड़ा था। उन्होंने कहा कि योगी जी के आने के बाद यूपी में एक नई सुबह हुई है। अब यहाँ देर रात भी लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। मेरा दिल यूपी के लिए धड़कता है और हम यहाँ बड़े निवेश के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

यूपी में कल का मौसम

बारिश का अलर्ट, निकलेगी धूप तो बढ़ेगी गर्मी,

उत्तर प्रदेश में मंगलवार से मौसम में बदलाव का असर स्पष्ट रूप से दिखा। मंगलवार सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही देखने को मिली, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम के बदलाव का अंदाजा लगाया जा सकता था। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि बुधवार को कोहरे और ठंड के प्रभाव में वृद्धि होने की संभावना है। विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरे प्रदेश में महसूस किया जा रहा है, और यह पश्चिमी से पूर्वी हिस्सों तक फैला हुआ है। इसी कारण मंगलवार की सुबह लखनऊ से लेकर प्रयागराज तक मौसम में बदलाव देखा गया। वहीं, वाराणसी के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।मौसम विभाग ने बताया कि तेज पछुआ हवा के साथ पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना मौसम में बदलाव का प्रमुख कारण रहा। इस वजह से मंगलवार से ही प्रदेश के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश और बूंदाबांदी का प्रभाव देखा गया। इस दौरान हवा की रफ्तार भी सामान्य से अधिक रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से उत्तरी पाकिस्तान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का टर्फ पंजाब और हरियाणा पर बना हुआ था। सोमवार को यह सक्रिय होकर पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया।इस सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण लखनऊ से नोएडा, गाजियाबाद तक घना कोहरा देखा गया। आगरा में सुबह के समय कोहरा इतना घना था कि ताजमहल का दीदार ताज व्यू पॉइंट से नहीं हो पा रहा था। ताजनगरी को कोहरे की चादर में लिपटा देखा गया। इसी प्रकार मुरादाबाद, बुलंदशहर, बरेली और कानपुर में भी कोहरे की घनी चादर देखने को मिली। मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार की सुबह भी प्रदेश में इसी तरह कोहरे का असर देखने को मिलेगा। इसका मुख्य कारण बारिश का प्रभाव और शीतलहर की स्थिति को पुनः बनाना बताया गया है।बारिश का असर कई जिलों में देखा गया। बांदा से लखनऊ तक हल्की से मध्यम बारिश हुई। लखनऊ में मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे काले बादलों ने आकाश को ढक लिया और रुक-रुक कर बारिश होती रही। राजधानी लखनऊ के अलावा बाराबंकी, उन्नाव, अयोध्या और सुल्तानपुर में भी बारिश का असर देखा गया। बांदा में हल्की से मध्यम बारिश लगभग दो घंटे तक जारी रही, जिससे तापमान में गिरावट आई। लखनऊ में अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने बताया कि बुधवार को ठंडी हवाओं का असर दिखने की संभावना है। इससे न्यूनतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है। साथ ही, दिन में आसमान से बादल हटने के बाद सूर्य की धूप निकलने का अनुमान है, जिससे दिन के समय तापमान में वृद्धि हो सकती है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के कारण सुबह और रात के समय कोहरे का असर बना रहेगा।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय पश्चिमी

विक्षोभ उत्तर प्रदेश के मौसम को प्रभावित कर रहा है। इस प्रभाव के चलते प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरह का मौसम देखा जा रहा है। पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश में ठंडी हवाओं के साथ बूंदाबांदी और हल्की बारिश का असर दिख रहा है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी हल्की बारिश और कोहरे का असर देखा गया है। इस समय के दौरान हवा की गति सामान्य से अधिक रही है, जिससे ठंड का अनुभव बढ़ गया है।विभाग ने कहा कि इस मौसम में लोगों को सुबह और रात के समय कोहरे के कारण सड़क पर सतर्क रहने की आवश्यकता है। कोहरे के कारण दृश्यता कम हो सकती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, ठंडी हवाओं के असर से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, विशेषकर वृद्ध और बच्चों में, बढ़ सकती हैं। लोगों को गर्म कपड़े पहनने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने की सलाह दी गई है।मौसम विभाग ने यह भी बताया कि अगले कुछ दिनों तक पश्चिमी विक्षोभ का असर कम या अधिक बने रहने की संभावना है। इससे तापमान में उतार-चढ़ाव और हल्की बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। बुधवार को दिन में धूप निकलने से तापमान बढ़ेगा, लेकिन सुबह और रात में न्यूनतम तापमान में गिरावट बनी रहेगी। यह स्थिति पूरे उत्तर प्रदेश में सामान्य से अधिक ठंड का अनुभव कराएगी।

उन्नाव कस्टोडियल डेथ केस: कुलदीप सिंह सेंगर की अपील पर रोजाना सुनवाई का आदेश

उन्नाव: उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड के आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट में रोजाना सुनवाई होगी। हाई कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के क्रम में इसे रोजाना सुनवाई के लिए लिस्ट किया है। हाई कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 11 फरवरी की तारीख तय की है। कुलदीप सिंह सेंगर ने उन्नाव कस्टोडियल मौत मामले में अपनी 10 साल की सजा और दोषसिद्धि को चुनौती दी है। कोर्ट से उनकी सजा निलंबित करने की याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। मामला उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की कस्टडी में हुई मौत से जुड़ा हुआ है। दिल्ली हाई कोर्ट ने इससे पहले 23 दिसंबर को उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बेल दे दी थी। मामला गरमाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बेल आदेश पर रोक लगा दी। हाई कोर्ट ने इससे पहले कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबन की मांग वाली याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया था। इस याचिका को खारिज कर दिया गया था। दरअसल, उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी करारा दिया था। ट्रायल कोर्ट ने पूर्व विधायक को 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। कुलदीप सिंह सेंगर की याचिका पर सुनवाई के क्रम में हाई कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती। कुलदीप सिंह सेंगर के भाई अतुल सिंह सेंगर और पांच अन्य लोगों को भी इस मामले में 10 साल की जेल की सजा दी गई थी। इसी फैसले के खिलाफ कुलदीप सिंह सेंगर ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

कुलदीप सिंह सेंगर ने कोर्ट में दलील दी थी कि वह इस केस में करीब 9 साल जेल में रह चुका है। उसकी अब केवल 11 महीने की सजा बाकी है। पीड़ित की ओर से वकील महमूद प्राचा ने कोर्ट में जमानत का कड़ा विरोध किया। पीड़ित पक्ष ने पूर्व विधायक को जमानत दिए जाने से पीड़ित और उसके परिवार को खतरा बताया था।

बुलेट ट्रेन बनेगी विकास की इंजन, वाराणसी से प्रयागराज-लखनऊ तक खुले नए अवसर

वाराणसी: केंद्रीय बजट 2026 में उत्तर प्रदेश को हाई स्पीड रेल नेटवर्क की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। बजट के माध्यम से उत्तर प्रदेश से होकर दो नए हाई स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा की गई है। इन कॉरिडोर में से एक प्रमुख कॉरिडोर वाराणसी से पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक प्रस्तावित है। इस मार्ग को आगे वाराणसी से दिल्ली तक जोड़ा जाना है। इसके बाद सिलीगुड़ी से पटना, वाराणसी होते हुए दिल्ली तक बुलेट ट्रेन का संचालन किया जाएगा, जिससे उत्तर भारत, पूर्वी भारत और राष्ट्रीय राजधानी के बीच सीधी हाई स्पीड कनेक्टिविटी स्थापित होगी।इस हाई स्पीड रेल परियोजना के तहत एलिवेटेड रेल लाइन बिछाने की योजना है। इस लाइन पर बुलेट ट्रेनें 350 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलेंगी। इससे लंबी दूरी की यात्राओं में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। वाराणसी से सिलीगुड़ी हाई स्पीड कॉरिडोर का एक हिस्सा पश्चिम बंगाल में अंडरग्राउंड बनाए जाने की संभावना भी सामने आई है। इससे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आम बजट के दौरान हाई स्पीड रेल नेटवर्क और बुलेट ट्रेनों के संचालन की योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि देश में बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में देश में कुल सात नए हाई स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा की गई है, जिनमें वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी शामिल है।भविष्य की योजना के तहत बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को सिलीगुड़ी से आगे गुवाहाटी तक ले जाने का प्रस्ताव है। इससे उत्तर-पूर्वी राज्यों को भी हाई स्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इस प्रकार देश की राजधानी दिल्ली, धार्मिक नगरी वाराणसी और उत्तर-पूर्वी भारत के बीच बेहतर और तेज रेल संपर्क स्थापित होगा। यह परियोजना राष्ट्रीय स्तर पर परिवहन ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।इस हाई स्पीड रेल परियोजना का लाभ केवल वाराणसी और सिलीगुड़ी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रयागराज, लखनऊ और आसपास के अन्य क्षेत्रों को भी इसका फायदा मिलने की उम्मीद है। इन इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर होने से औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। हाई स्पीड मोबिलिटी के कारण इस पूरे कॉरिडोर में विकास की गति तेज होने की संभावना है।वर्तमान समय में दिल्ली से वाराणसी पहुंचने में लगभग 10 से साढ़े 10 घंटे का समय लगता है। इसी तरह वाराणसी से सिलीगुड़ी तक की यात्रा में सबसे तेज ट्रेन बागमती एक्सप्रेस के जरिए भी करीब 17 घंटे का समय लग जाता है। बुलेट ट्रेन के संचालन के बाद दिल्ली से वाराणसी की यात्रा का समय घटकर लगभग साढ़े चार घंटे रह जाएगा। वहीं, वाराणसी से सिलीगुड़ी तक का सफर भी चार से साढ़े चार घंटे में पूरा किया जा सकेगा।इससे देश के पूर्वी हिस्से से राजधानी तक की यात्रा आसान, तेज और अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। पूरे हाई स्पीड रेल नेटवर्क में वाराणसी एक महत्वपूर्ण नोड की भूमिका निभाएगा, जहां से कई दिशाओं में रेल संपर्क उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वाराणसी को बुलेट ट्रेन नेटवर्क से जोड़ने की योजना की सराहना की है।प्रदेश में पहले ही एक्सप्रेसवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा चुका है। अब बुलेट ट्रेन परियोजना के लागू होने से रोजगार के नए अवसर सृजित होने, व्यापारिक संस्थानों के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद की जा रही है। उत्तर प्रदेश के लिए इस परियोजना को एक बड़ी विकासात्मक उपलब्धि और परिवहन क्षेत्र में अहम सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

दूसरी शादी के तीन महीने बाद महिला की मौत, कानपुर में पति की तलाश

कानपुर: उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से एक मामला सामने आया है, जहां सोमवार देर शाम एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके फ्लैट से बरामद किया गया। घटना पनकी थाना क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी स्थित इंक्लेव अपार्टमेंट की है। मृतका की पहचान दीपिका सैनी (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, महिला के गले पर दुपट्टे से कसने के निशान पाए गए हैं। घटना के बाद से महिला का पति शिवम दुबे उर्फ शोएब फरार है। मृतका के परिजनों ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, दीपिका की पहली शादी हरदोई निवासी ट्रक चालक खालिद से हुई थी। इस विवाह से उसके दो बेटे हैं, जिनमें बड़ा बेटा रूद्र छह वर्ष का है और छोटा बेटा अनिरुद्ध तीन वर्ष का है। लगभग एक वर्ष पहले खालिद की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। पति की मृत्यु के बाद दीपिका अपने बच्चों के साथ कानपुर में रह रही थी।मृतका के भाई आयुष ने बताया कि खालिद की मौत के बाद दीपिका की जान-पहचान मोहल्ले में रहने वाले शिवम दुबे उर्फ शोएब से हुई। यह जान-पहचान धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। आयुष के अनुसार, शोएब की दोस्ती दीपिका से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के माध्यम से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी और बाद में उन्होंने शादी करने का फैसला किया।परिजनों का कहना है कि शिवम उर्फ शोएब के माता-पिता हिंदू थे, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उसका पालन-पोषण कल्लन खां ने किया था। बताया गया कि दोनों ने 25 अक्टूबर को विवाह किया था। शादी के बाद दीपिका और शिवम पनकी थाना क्षेत्र के इंक्लेव अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में साथ रहने लगे थे।सोमवार देर शाम की घटना के संबंध में मृतका के भाई आयुष ने बताया कि उसी दिन शाम को शिवम ने उन्हें फोन किया था। फोन पर वह रो रहा था, लेकिन जब उससे रोने का कारण पूछा गया तो उसने अचानक कॉल काट दी। इस बातचीत के बाद परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद वे तुरंत फ्लैट पर पहुंचे।जब परिजन फ्लैट में दाखिल हुए तो उन्होंने देखा कि दीपिका का शव बेड पर पड़ा हुआ था। उनके अनुसार, दीपिका के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था और शरीर पर चोट के निशान भी दिखाई दे रहे थे। परिजनों का कहना है कि पुलिस को सूचना देने से पहले ही शिवम उर्फ शोएब मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पनकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके साथ ही फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके।मृतका के परिजनों का आरोप है कि दीपिका के साथ मारपीट की गई थी। उनका कहना है कि उसकी दाईं आंख के पास चोट के निशान थे, गले पर गहरे निशान दिखाई दे रहे थे और अंगूठे के पास भी चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद की बात सामने आई है। हालांकि, मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस शिवम उर्फ शोएब की तलाश में दबिश दे रही है और उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर इलाके में चर्चा का माहौल है और पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हुई है।

लखनऊ: गाड़ी स्टंट और बैरिकेडिंग उड़ाने वाला फरार, पुलिस तलाश में

लखनऊ: गोमतीनगर विस्तार इलाके से सोमवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें सड़क सुरक्षा और कानून की अनदेखी दिखाई गई है। वीडियो में एक युवक सफेद रंग की थार गाड़ी से पुलिस बैरिकेडिंग को जोरदार टक्कर मारते हुए उड़ाता नजर आ रहा है। इसके अलावा, युवक गाड़ी में बैठे-बैठे खतरनाक स्टंट भी करता दिखाई दे रहा है।वायरल वीडियो गोमतीनगर विस्तार की जी-20 रोड का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक ने तेज रफ्तार में बैरिकेडिंग को टक्कर मारी, जिससे सड़क पर सुरक्षा के नियमों की अवहेलना हुई। युवक ने यह वीडियो स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो में दिख रहा है कि युवक की हरकतें सामान्य सड़क संचालन के लिए खतरनाक हैं और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं।इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी ने बताया कि थार गाड़ी सवार युवक की पहचान की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि गाड़ी में नंबर प्लेट नहीं होने के कारण पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो रहा है, लेकिन पुलिस हरसंभव कार्रवाई कर रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क पर इस तरह की खतरनाक हरकतों को गंभीरता से लिया जाएगा। वीडियो में दिखाए गए स्टंट और बैरिकेडिंग को तोड़ना दोनों ही कानून के उल्लंघन के तहत आते हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी खतरनाक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।पुलिस ने इस घटना को गंभीर मानते हुए कहा है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना सड़क सुरक्षा और कानून पालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेतावनी के रूप में देखी जा रही है।

CM योगी ने UP Pharma Conclave 1.0 में कहा:

PM मोदी की नीतियों से महाशक्तियाँ हुईं प्रभावित

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना करते हुए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प का आभार व्यक्त किया।

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने अब पिछड़े राज्य की अपनी पुरानी छवि को पूरी तरह पीछे छोड़ दिया है और अब यह एक ऐसे राज्य के रूप में उभरा है जिसकी अर्थव्यवस्था राजस्व अधिशेष वाली है। मुख्यमंत्री ने इस बदलाव के पीछे किए गए प्रयासों का उल्लेख किया और बताया कि राज्य सरकार ने निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई सुधार लागू किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित किया गया। यह निवेश राज्य की अर्थव्यवस्था में मजबूती और विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में निवेश और व्यवसाय के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इनमें भूमि बैंक सुविधा का निर्माण भी शामिल है, जिससे व्यवसायों और निवेशकों को जमीन से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन प्रयासों से उत्तर प्रदेश अब केवल पिछड़ा राज्य नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा राज्य बन गया है जिसकी अर्थव्यवस्था राजस्व अधिशेष वाली है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इन उपलब्धियों के पीछे सरकार द्वारा अपनाई गई योजनाओं और नीतियों का बड़ा योगदान है, और इस बदलाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का भी महत्वपूर्ण योगदान है।इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के संभावित योगदान का पता लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की है। इस निवेश का उद्देश्य आधुनिक तकनीक का उपयोग करके पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवा और निदान को बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यह कदम राज्य में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार और चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि यह निवेश न केवल तकनीकी उन्नति के लिए है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की और कहा कि दिल्ली में आयोजित होने वाले एआई सम्मेलन में इस दिशा में और नए अवसरों की खोज की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि उत्तर प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में एआई के प्रभाव को समझने और लागू करने के लिए राज्य सरकार ने पहले ही 2 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है।योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि इन सभी पहलों और सुधारों का मुख्य लक्ष्य उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्य धारा में लाना और राज्य के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर क्षेत्र में न केवल विकास को बढ़ावा दे रही है, बल्कि तकनीकी और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यवसाय में भी नई दिशा दे रही है।इस प्रकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश ने अब पिछड़े राज्य की छवि को छोड़कर आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से प्रगतिशील राज्य के रूप में अपने कदम बढ़ाए हैं। राज्य सरकार के प्रयासों, निवेशकों की भागीदारी और तकनीकी उन्नति के माध्यम से उत्तर प्रदेश तेजी से विकास की दिशा में अग्रसर है।

देवरिया SIR में गड़बड़ी का आरोप: मुस्लिम मकान मालिक के पते पर दर्ज मिले हिंदू मतदाता, DM ने जांच के दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर में भारी गड़बड़ी सामने आई है। यहां एक मुस्लिम की मकान में न केवल हिंदू मतदाताओं का नाम दर्ज हो गया है बल्कि मकान का बंटवारा दिखाकर मकान नंबर भी बदल दिया गया है। मकान मालिक अंजुम रहमान को इसकी जानकारी मतदाता सूची देखने के बाद हुई। पीड़ित ने इसकी शिकायत डीएम से की और अपनी मकान अपने फर्जी मतदाताओं का नाम हटवाने की अपील की। डीएम ने इसकी जांच एसडीएम श्रुति शर्मा को सौंपी है। मतदाता पुनरीक्षण अभियान में ऐसी गड़बड़ी सामने आने के बाद लोग परेशान हो गये हैं। देवरिया शहर के वार्ड नंबर 32 अबूबकर नगर मुहल्ले में अंजूम रहमान की मकान है। भाग संख्या 14 मकान नंबर 501 मतदाता पुनरीक्षण अभियान के पहले 5 मतदाताओं का नाम दर्ज था। जिसमें सम्सी रहमान, अंजुम रहमान, अर्शिया, अतीकुर्रहमान का नाम शामिल था। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के बाद अंजुम रहमान की मकान नंबर 501 में सात नए नाम जुड़ गए। जिसमें अशोक कुमार, दिलीप सिंह, दुर्गेश कुमार गुप्ता, विनोद मद्धेशिया, बिंदु देवी, मणि देवी वह आदित्य सिंह का नाम शामिल हो गया। जबकि इन लोगों का उसे मकान से कोई दूर-दूर का वास्ता नहीं है।

मेरठ में व्यापारी के बैग से मिली 2 किलो चांदी, नियमों की अनदेखी पर लगा जुर्माना

उत्तर प्रदेश के मेरठ में साउथ रैपिड ट्रेन स्टेशन पर एक व्यापारी के पास 2 किलो चांदी की ईंट मिली। बिना ना दिखाने पर राज्यकर विभाग ने उनके ऊपर 42 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। चांदी की कीमतें इस समय आसमान छू रही हैं। 4 लाख रुपये प्रति किलो के भाव को छूकर लौटी चांदी आम आदमी की पहुंच से देखते ही देखते ही बाहर गई है। कीमतों में मची इसी उथल-पुथल के बीच मेरठ में रैपिड ट्रेन स्टेशन पर एक व्यापारी के पास बिना पक्का बिल के 2 किलो चांदी की ईंट मिली। चांदी की इस ईंट की अनुमानित कीमत तकरीबन 6 लाख रुपये बताई जा रही है। व्यापारी के पास चांदी की ईंट से जुड़े आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले, जिसके बाद मामले की सूचना राज्यकर विभाग को दे दी गई। घटना देर शाम की है, जब मेरठ के साउथ रैपिड ट्रेन स्टेशन पर सुरक्षाकर्मियों ने चेकिंग के दौरान एक व्यापारी के बैग में चांदी की ईंट देखकर उन्हें रोक लिया। व्यापारी ने यह ईंट मेरठ से खरीदी थी और इसे लेकर मोदीनगर आ रहे थे। उनसे जब इस चांदी की ईंट की खरीद से जुड़े बिल मांगे गए तो वह नहीं दिखा पाए। इसके बाद मामले की सूचना राज्यकर विभाग को दी गई और एक टीम तुरंत स्टेशन पर पहुंच गई। राज्यकर विभाग की सचल दस्ता टीम ने चांदी की ईंट को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। टीम ने पहले ईंट का वजन कराया, जो लगभग दो किलो पाया गया। इसके बाद व्यापारी से इसकी खरीद से संबंधित बिल और टैक्स भुगतान की डिटेल मांगी गई। व्यापारी ने बताया कि उसने चांदी की यह ईंट मेरठ के एक ज्वेलरी शोरूम से खरीदी गई थी, लेकिन सोमवार को बाजार बंद होने के कारण पक्का बिल कट नहीं पाया। हालांकि, भुगतान चेक के माध्यम से कर दिया गया था।

"शाहजहांपुर: होटल के कमरे में संदिग्ध हालात में सिविल इंजीनियर की मौत, शराब की बोतलें बरामद"

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक होटल के कमरे से संदिग्ध परिस्थितियों में एक सिविल इंजीनियर का शव मंगलवार को बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने पीटीआई- को बताया कि जिले के थाना सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक होटल के कमरे में गौरव सक्सेना (47) नामक व्यक्ति का शव आज सुबह उनके कमरे से बरामद हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गौरव सक्सेना उत्तराखंड के ऋषिकेश के रहने वाले थे और उनका ससुराल शाहजहांपुर में है तथा वह सिविल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।पुलिस के मुताबिक गौरव ने रविवार को होटल में कमरा किरायेपर लिया था और तब से यहीं पर रुके हुए थे। पुलिस ने उनके कमरे में शराब की कुछ बोतल भी बरामद की है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शाहजहांपुर के होटल में गौरव सक्सेना की मौत के मामले में कुछ और महत्वपूर्ण विवरण सामने आए हैं, जो इस घटना की गंभीरता और पुलिस की जांच की दिशा को स्पष्ट करते हैं। बताया जा रहा है कि वह अपने ससुराल के किसी काम या पारिवारिक कार्यक्रम के सिलसिले में शाहजहांपुर आए थे, लेकिन वे वहां रुकने के बजाय होटल में ठहरे, जो पुलिस के लिए जांच का एक बिंदु है। रव ने रविवार को होटल में चेक-इन किया था। होटल कर्मियों के अनुसार, वे रविवार शाम के बाद से कमरे से बाहर नहीं निकले थे।